मेरे ह्रदय में | By Calipha's Bobby "Bob"

मेरे ह्रदय में उठती हिलोर
सखी वृन्दावन जाउंगी

सखी वृन्दावन जाउंगी
सखी बरसाने जाउंगी
जहाँ ब्रज राज रास रचाते हैं
उस निधिवन मैं जाउंगी

सखी वृन्दावन जाउंगी
सखी यमुना तट जाउंगी
जहाँ ब्रज राज गाय चराते हैं
उस यमुना तट जाउंगी

सखी वृन्दावन जाउंगी
सखी ब्रज महलन जाउंगी
जहाँ मोहन माखन चुराते हैं
उन ब्रज महलन जाउंगी

सखी वृन्दावन जाउंगी
बिहारी जी के दर्शन पाउंगी
जहाँ हरिदास राग सुनाते हैं
उस महफ़िल में जाउंगी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%a6%e0%a4%af-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-caliphas-bobby-bob/